भूमिका

राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्ति विकास तथा मानव एवं समाज के प्रति सेवा और समर्पण के भाव से समाजोत्थान के कार्य में सक्रिय योगदान देने हेतु मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक बहुउददेशीय कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना है। शिक्षण–संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना, व्यक्तित्व निर्माण की समग्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्रम और सेवा का व्यावहारिक पाठ पढ़ने का सबसे उपयुक्त कक्षा राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य पद्धति का अनुशरण करना है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज में लोगों के साथ मिलकर सामाजिक एवं राष्ट्रीय हित के लिए कार्य करते है। राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में ऐसी चिन्तन दृष्टि का भाव पैदा करना है, जिससे वे अपने, समाज को आत्मीयता के साथ समझे, समाज की आवश्यकताओं को अनुभव करे उनकी दैनिक दिनचर्या की कठिनाईयों को नजदीक से देखे और यथा सम्भव समाधान देने का प्रयास करें सिर्फ इतना ही नहीं इन सबसे महत्वपूर्ण स्वयं में सामाजिक नागरिक दायित्व बोध की भावना का संचार, करते हुए अभावों में जीने की कला का विकास करें। राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा सहयोग प्रेम और सद्भावना की भावना को जागृत करने में सहयोग करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को राष्ट्रीय समस्याओं से प्रत्यक्ष साक्षात्कार करता है। युवाओं के नेतृत्व क्षमता के विकास और समाज सहित राष्ट्र निर्माण में उनकी सीधी भागीदारी होती है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई के स्वयंसेवक/स्वयसेविकाओं ने अध्ययन अध्यापन के साथ–साथ श्रम एवं सेवा का पाठ सफलतापूर्वक पढ़ा है। वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक, अकादमिक गतिविधियाँ इस बात की प्रमाण है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों एवं प्राचार्य की दृष्टि और उद्देश्य स्पष्ट है अतः उनके निर्देशन में सत्र स्वयंसेवक–स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर, अभिगृहित गाँव, आस–पास के क्षेत्र में श्रमदान, राष्ट्रीय सामाजिक मुद्दों पर जनजागरण के अभियान में अपना भरपूर योगदान दिये। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रस्तुत वार्षिक रपट जीवन–यात्रा के आन्तरिक पक्ष के विकास का मूल्यांकन तो नहीं प्रस्तुत कर सकती किन्तु उस विकास के लिए किए गये प्रयत्नों का दर्पण अवश्य है।

हमारा विश्वास है कि यदि सकारात्मक उद्देश्य को लेकर पूरी निष्ठा से किये गये कार्य का परिणाम सुखद और प्रेरणादायी होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की सत्र 2022–23 की वार्षिक रपट प्रस्तुत है। यह रपट अगले सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य प्रणाली को और निखारने में अनुभव का कार्य करेगी।

(डॉ. आरती सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

(डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त)
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना - कार्यक्रम अधिकारी

डॉ. आरती सिंह
(एम.ए, पी.एच.डी.)
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड, गोरखपुर
नियुक्ति
11.07.2022 से अद्यतन
मो. नं. 8840985285

डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त
(एम.एस-सी., पी.एच.डी.)
सहायक आचार्य
वनस्पति विज्ञान विभाग
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड, गोरखपुर
नियुक्ति
11.07.2022 से अद्यतन
मो. नं. 8542009257

(डॉ. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

विश्व साइकिल दिवस (03.06.2022)

प्रत्येक वर्ष 03 जून को पूरे विश्व में साइकिल दिवस मनाया जाता है विश्व साइकिल दिवस मनाने के पीछे कई उद्देश्य और फायदे है। साइकिल चलाना पर्यावरण एवं स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इस क्रम में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''आजादी के अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में साइकिल रैली

का आयोजन किया गया।

रैली के सन्दर्भ में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि साइकिल सबसे सस्ता वाहन है। इसके एक नहीं अनेक फायदे है। पेट्रोल की खपत नहीं होती, पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित है, व्यायाम करने का महत्वपूर्ण तरीका है, रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है रोज साइकिल चलाने से फैट जल्दी कम होता है। साइकिल चलाने से दिमाग और शरीर दोनों स्वस्थ रहता है। वक्तव्य के पश्चात् हरी झण्डी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया। रैली महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर जंगल धूसड़, चौराहा होते हुए वापस महाविद्यालय में समाप्त हुई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल, श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. सुबोध मिश्र, सुश्री शारदा रानी, श्री नन्दन शर्मा आदि शिक्षक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना 2022–2023

जंगल धूसड़, गोरखपुर

विश्व पर्यावरण दिवस (05.06.2022)

05 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल ने बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व का मूल है। जैव एवं वानस्पतिक विविधता से परिपूर्ण संतुलित है पर्यावरण पृथ्वी पर जीवन के विकास एवं उसके संतुलन से अनुकूलन हेतु अनिवार्य है। आज मानव अपने स्वार्थ एवं अन्तहीन विकास तथा भौतिकवाद की दौड़ में पर्यावरण को पर्याप्त हानि पहुँचा रहा है। पर्यावरण में मानव जनित यह असन्तुलन दिनो–रात गहराता जा रहा है। प्रकृति असामान्य तौर पर बर्ताव कर रही है। अतिवृष्टि, सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी और सर्दी पर्यावरण असंतुलन का ही परिणाम है। यदि हमें अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखना है, तो बड़े पैमाने पर सामूहिक प्रयास करने होंगे।

प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत उद्देश्य में अपनी भागादारी सुनिश्चित करनी होगी। पेड़ लगाने होंगे, पानी का संरक्षण करना होगा, नदियों को स्वच्छ रखना होगा तथा आस–पास भी स्वच्छता रखनी होगी। पर्यावरण का संरक्षण सम्पूर्ण मानव समाज सहित सभी जीवों एवं वनस्पतियों के लिए कल्याणकारी है।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में शिक्षकों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको द्वारा भारी मात्रा में विविध प्रकार के पौधों जिसमें रूद्राक्ष, मौलश्री, तेजपत्ता, अनार, लीची, सफेद चन्दन, हरसिंगार बॉटल ब्रस, चीकू, अश्वगंधा आदि का रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री चन्दन ठाकुर एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विश्व रक्तदान दिवस (14.06.2022)

14 जून 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एन.सी. सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व रक्तदान' दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको एवं एन.सी.सी. के कैडेटो ने गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान किया।

रक्तदान कार्यक्रम के इस पुनीत अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा है, जिसके माध्यम से व्यक्ति एक से अधिक शरीरों में जीता है। भारत की सन्तान संस्कृति दानपरक संस्कृति रही है। दानशीलता के अनेक उदाहरण दधीचि, शिवि एवं कर्ण के रूप में आदर्श स्वरूप खडे है। इसी क्रम में कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि समाज के प्रत्येक जागरूक एवं स्वस्थ नागरिक को नियमित एवं निश्चित अन्तराल पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान से किसी भी प्रकार की शारीरिक हानि नहीं होती। रक्त के एक युनिट से रक्त के चार अवयव यथा लाल रक्त कणिका, प्लाज्मा, प्लेटलेट एवं क्रायोप्रेसिपिटेट प्राप्त होता है जो चार अलग–अलग लोगों को दिया जा सकता है। नियमित रक्तदान करने से रक्तचाप सहित अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से हम अपने राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदार

नागरिक के रूप में जवाबदेही और जिम्मेदारी निवर्हन करते है, इससे राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सामर्थ्य का विकास होता है। साथ ही साथ मानवीय संवेदना के चरमोत्कर्ष का रक्तदान जैसे पवित्र कार्य माध्यम बनते है। इस तरह के शिविर के माध्यम से न केवल रक्तदान द्वारा अनेक लोगों को जीवनदान मिलता है,

बल्कि रक्तदाता भी रक्तदान के प्रति सक्रिय रूप से सचेत हो जाता है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना 2022–2023

वन महोत्सव 01–07 जुलाई 2022

वृक्षारोपण 01 जुलाई 2022

स्वस्थ्य और सुन्दर भारत की परिकल्पना सदियों से रहा है। राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हरे भरे पेड़ पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन शैली से हो रहे नुकसान को कम करने में रक्त संचार का कार्य करते है।

01 से 07 जुलाई तक उत्तर प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि पृथ्वी पर जीवन के आस्तित्व को बनाए एवं बचाए रखने के लिए वृक्षों से परिपूर्ण परिस्थितिकी तन्त्र अत्यन्त आवश्यक है। वृक्ष धरती के फेफड़े कहे जाते

है, जो वायुमण्डल से हानिकारक कार्बन डाइ आक्साइड जैसे गैसो को अवशोषित कर आक्सीजन रूपी प्राणवायु हमें उपलब्ध कराते है इतना ही नहीं ध्वनि प्रदूषण को रोकने में भी वृक्ष अपनी महती भूमिका निभाते है। संसाधन के नाम पर वृक्षो का हो रहा अंधाधुंध दोहन प्रकृति को निरन्तर असन्तुलित करता जा रहा है इसलिए हम सभी का यह पुनीत कर्तव्य है कि अपनी आश्रयदायी धरती को अधिक से अधिक पौधा रोपकर इसका संरक्षण एवं संवर्द्धन करें।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पाम–टी, सागौन, नीबू एवं नारियल के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि पौधे जीवन के आधार है। ये न केवल वायुमण्डल को स्वस्थ रखने में सहायक है, बल्कि मानव में त्याग की भावना को प्रेरित करते है। पौधे प्रकृति के वाहक है, जिससे जलवायु, मृदा तथा संक्रमण को रोकने में सहायता मिलती है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं सहभाग किये।

वृक्षारोपण (05 जुलाई 2022)

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 05 जुलाई 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर योगिराज गम्भीरनाथ सेवाश्रम स्थित बैतालगढ़ बुढ़िया माई मन्दिर में ग्रामवासियों एवं मन्दिर के सेवाव्रतियों द्वारा मन्दिर परिसर में पौधरोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का सम्बोधित करते श्री बृजभूषण लाल ने कहा कि हर व्यक्ति स्वस्थ हो, दीर्घायु हो, पर्यावरण सुरक्षित हो, इसके लिए जरूरी है, कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाय जिससे आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक वातावरण मिल सके।

इस अवसर पर जंगल धूसड़, ग्राम के ग्राम प्रधान श्री राजेन्द्र प्रसाद के साथ श्री ओमप्रकाश, श्री भीम साहनी, श्री राजू पासवान, श्री अनिरूद्ध मिश्र, श्री दिनेश शर्मा, श्री विनय साहनी, श्री रामनारायण साहनी आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई 2022)

26 जुलाई 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ता के रूप में बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए बहुत

महत्वूपर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की दोनों सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और अन्त में 26 जुलाई 1999 को जीत हासिल हुआ। प्रत्येक भारतवासियों के लिए यह गौरव का विषय है। प्रत्येक युवा को देश और समाज के लिए प्रेरित होना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया। कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं की उपस्थित रही।

व्याख्यान कार्यक्रम के उपरान्त इस अवसर पर महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग एवं सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु पाण्डेय एवं केन्द्रीय ग्रन्थालय दीनदयाल उपाध्याय

गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो. आर. के. मिश्र द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस सन्दर्भ में प्रो. हिमांशु पाण्डेय ने कहा कि यह पुनीत कार्य सम्पूर्ण मानव समाज सहित जीवो एवं वनस्पतियों के लिए कल्याणकारी होगा। धरती को यदि बचाना है तो पर्यावरण को बचाना होगा।

महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों कर्मचारियों एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने सक्रिय योगदान दिया।

'अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस'

(29 जुलाई 2022)

29 जुलाई 2022 को 'अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वनस्पति

विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 2010 में रूप से पीट्सवर्ग में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में प्रत्येक वर्ष 29 जुलाई के 'विश्व बाघ दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया। बाघों की संख्या को बढ़ाने एवं संरक्षण देने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा बाघ संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संरक्षण के क्षेत्र में भारत की उपलब्धि बाघ संरक्षण में उदाहरणीय रही है। और 2018 में ही बाघ की संख्या दूनी करने में सफलता मिली है। प्रोजेक्ट टाइगर 40 से अधिक स्थानों पर लागू किया गया है। बीसवीं शताब्दी में 95 प्रतिशत बाघों की संख्या में कमी हुई है। जिसका कारण वासस्थान में ह्रास एवं चमड़े के गैरकानूनी व्यापार रहे है। बाघ के नौ प्रजातियों में तीन 'जावा', बाली एवं कैस्पियन' प्रजाति विलुप्त हो चुके है। विश्व में 4500 बाघ जिसमें 2900 बाघ भारत में है। इसमें अधिकांश 15 वर्ष से 02 वर्ष के शावक है। कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश बाघों की संख्या की दृष्टि से शीर्ष राज्य है। उत्तर प्रदेश में 173 बाघ है।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ वनस्पति विभाग से सभी छात्र/छात्राओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्त ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह
(04 अगस्त 2022)

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में गृह विज्ञान

विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में शैशवावस्था में माँ के दूध का बड़ा महत्व होता है। स्तनपान एक प्रक्रिया है जिससे शिशु का पोषण होता है। माँ के पहले दूध से पीला गाढ़ा पदार्थ कोलोस्ट्रम, स्रावित होता है, जिसमें रोग निरोधक क्षमता पाया जाता है। स्तनपान शिशु के लिए अमृत तुल्य है। जो शिशु के प्राकृतिक रूप से माँ के द्वारा प्राप्त होता है। माता व शिशु दोनों के लिए स्तनपान बहुत आवश्यक व महत्वकारी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे मिशन 2015–16 के अनुसार शिशु को प्रथम एक घण्टे में स्तनपान कराने वाली माताओं का आंकड़ा 28 प्रतिशत था। जो वर्तमान समय में घटकर 21 प्रतिशत हो गया है। यह एक चिन्ता का विषय है। जिसके लिए महिला एवं पुरुष दोनों का जागरूक होना आवश्यक है। स्तनपान कराने के लिए माताओं को आत्मिक सन्तुष्टि प्राप्त होती ही है, साथ ही हार्मोंस बैलेस भी रहता है। स्तनपान प्राकृतिक रूप से गर्भनिरोध का कार्य करता है। मधुमेंह, हृदय रोग,थायराइड, गठिया व अन्य हड्डी सम्बन्धित रोगों से भी स्तनपान कराने वाली माताएं

सुरक्षित रहती है। शिशु का शारीरिक व मानसिक विकास तीव्र गति से होता है, जो शिशु को भविष्य में एक सुयोग्य नागरिक बनने में सहायता करता है।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह
(05 अगस्त 2022)

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के पूर्व संध्या के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'अमृत तुल्य माँ का दूध' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शकुन्तला हास्पिटल कूड़ाघाट, गोरखपुर की स्त्री एव प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अनामिका तिवारी ने कहा कि माँ का दूध शिशु के जीवन में अमृत समान होता है।

जन्मकाल से दो वर्ष तक बच्चो को स्तनपान कराया जाए तो किसी भी प्रकार का कुपोषण नहीं होगा। माँ का दूध बच्चों में बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है शिशु के लिए वह वैक्सिन का काम करता है। साथ ही साथ, माँ और बच्चे में संवेदनात्मक विकास होता है। प्रकृति ने बच्चे की आवश्यकता के अनुसार माँ का दूध बनाया है। माँ के दूध में सभी प्रकार का पोषक तत्व होता है। छः माह तक बच्चे को माँ का दूध के अतिरिक्त कुछ नहीं देना चाहिए। शिशु जन्म के एक घण्टे बाद ही माँ का दूध बच्चे को पिलाना चाहिए। माँ के दूध द्वारा पोषित बच्चों में किसी प्रकार की बीमारी नहीं होती है। साथ ही साथ बच्चे का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक विकास भी होता है। स्तनपान कराने वाली माँ को इससे क्या लाभ होता है? क्या हानियां होती है और समाज में क्या 'भ्रान्तियां फैली हुई है? इन सभी बातों पर डॉ. अनामिका तिवारी ने अपना विचार प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। जिसमें अध्यक्ष के

रूप में बी.एड्. विभाग की विभागध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त, संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं सहित महाविद्यालय के सभी छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा
राष्ट्रीय सेवा योजना
आजादी के अमृत
महोत्सव के
अन्तर्गत
अतिथि व्याख्यान
विश्व स्तनपान सप्ताह
अमृत तुल्य है
माँ का दूध
दिनांक 05.08.22
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रार्थना सभा
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वच्छता पखवारा (01 से 15 अगस्त, 2022)

सफाई कार्यक्रम-प्रथम एकदिवसीय विशेष शिविर

दिनांक 10.08.2022

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'स्वच्छता पखवारा' के उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ''स्वच्छता पखवारा अप्रैल 2016 से शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य सभी सरकारी मंत्रालयों और विभागों को उनके अधिकार क्षेत्र में शामिल करके स्वच्छता के मुद्दों और प्रथाओं पर इस पखवारे का गहन ध्यान केन्द्रित करना था। इस योजना हेतु एक क्लेण्डर परिचालित किया जाता है और समय–समय पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। स्वच्छता का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। यह हर मनुष्य के अन्दर स्वप्रेरणा से होना चाहिएं स्वच्छता स्वयं के साथ घर परिवार पास–पड़ोस गांव शहर पालतू जानवर, स्कूल,

नदी आदि सभी के लिए महत्वपूर्ण है। एक स्वच्छ शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिए बहुत जरूरी है।

स्वच्छता पखवारे के एक दिवसीय शिविर के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयसेविकाओं द्वारा महाविद्यालय एवं परिसर के बाहर, सफाई किया गया। मुख्य लॉन में फूल की क्यारियों, गमलों की सफाई के अतिरिक्त खर–पतवार की सफाई, झाड़ू, लगाना, कूड़ा, निस्तारण आदि कार्य किया गया। परिसर से बाहर सड़क पर उगे घास को फावड़े से काटकर साफ किया गया।

स्वच्छता कार्यक्रम दोनों कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश गुप्त के सहयोग से सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा सम्पन्न किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान
शपथ ग्रहण कार्यक्रम

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में दिनांक 11.08.2022 को हर घर तिरंगा फहराने का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। इस सन्दर्भ में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव का वास्तविक उत्सव 13 से 15 अगस्त 2022 के बीच मनाया गया, लेकिन हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े कार्यक्रम 02 अगस्त, 2022 से शुरू हो चुके है। इस अभियान का मकसद लोगों को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। इससे लोगों में देश भक्ति की भावना जागेगी और तिरंगे को लेकर उनमें सम्मान की भावना एवं समझ आयेगी। इस कार्यक्रम के तहत झण्डा फहराने के लिए नियम को बताया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा झण्डा फहराया गया। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि अपने गाँव में घर–घर झण्डा फहराने के लिए प्रेरित करे। संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा अभियान' में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में दिनांक 12.08.2022 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते हुए वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यन्त ही आवश्यक है। वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जन आन्दोलन बनाने की जरूरत है। लोगों को जागरूक करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है। जितनी ज्यादा हरियाली विकसित होगी, उतना ही अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार होगा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी स्वयंसेवको एवं स्वयंसेविकाओं ने सागौन,

नीम, अर्जुन, अमलतास आदि पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

हर घर तिरंगा अभियान
रैली

'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 14.08.2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' रैली निकाली गई। रैली में सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने झण्डा बैनर के साथ पूरी सक्रियता के साथ सहभाग किया। 'झण्डा ऊँचा रहे हमारा विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' का गान करते हुए सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं की रैली निकली। हर घर में तिरंगा के लिए प्रेरित करने वाले नारे भी साथ–साथ बोले गये–''हम

सबने यह ठाना है, हर घर तिरंगा फहराना है, हर हाथ तिरंगा लहराना है, भारत को नम्बर 'वन' बनाना है। इसे रैली के द्वारा आस–पास के ग्रामीण लोगों को जागरूक एवं प्रेरित किया है।

हर घर तिरंगा रैली का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त एवं डॉ. आरती सिंह ने किया।

इसी क्रम में विभाजन 'विभीषिका 'स्मृति दिवस' प्रदर्शनी भी आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी के अन्तर्गत घबराहट, डर और हिंसा, विस्थापन शरण, उम्मीद, हिंसा का प्रारम्भ आदि विभिन्न प्रकार के चित्रों एवं आकृतियों के माध्यम से जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं के साथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश गुप्त उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना 2022–2023

जंगल धूसड़, गोरखपुर

हर घर तिरंगा समापन
एवं
मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस
(17 अगस्त 2022)

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का समापन समारोह एवं 'मदन लाल ढ़ीगरा बलिदान दिवस' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर घर तिरंगा अभियान समापन समारोह के अवसर पर स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए समाजशास्त्र विभाग

के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों में देश भक्ति एवं तिरंगा के प्रतिभक्ति की अलख जगाई। देश भर में आजादी का उत्सव मनाया गया। 15 दिनों में देश भर में आयोजित हुए तिरंगा कार्यक्रमों की बड़ी भूमिका रही। रैलियों, मार्च, मशाल, जूलूस, तिरंगा गौरव यात्रा द्वारा सार्वजनिक सभाओं और सम्मेलनों में भी तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया गया। तिरंगा हमारी शान है, पहचान हैं। इसके प्रति हमारे हृदय में सदैव–सम्मान एवं भक्ति का भाव बने रहना चाहिए।

इसी क्रम में मदन लाल ढ़ींगरा के बलिदान दिवस पर राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. हरिकेश यादव ने कहा कि भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के अप्रतिम क्रांतिकारी का जन्म 18 सितम्बर 1883 में पंजाब में हुआ था। 1906 ई. में प्रौद्योगिकी की शिक्षा ग्रहण

करने लन्दन गए और वहाँ इण्डिया हाउस में रहने लगे। वही उनकी मुलाकात वी.डी. सावरकर तथा श्याम जी कृष्ण वर्मा से हुई। मदन लाल ढ़ींगरा कर्नल वाईली की गोली मारकर हत्या कर दी जिसके कारण 17 अगस्त 1909 ई. को मदन लाल ढींगरा को फांसी की सजा दे दी गई। ऐसे भारत के सपूत के जीवन चरित पर वक्ता द्वारा प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।